अन्तर्वासना की प्रशंसिका की लेखक से मुलाकात-3

“लंड मेरी पेंटी पर रगड़ रहा था, मैं बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी, मैं अपनी पेंटी उतार कर राहुल से चिपक कर बोली- अब बर्दाश्त नहीं हो रहा ! कुछ तो करो !

आओ मेरे ऊपर ! …”

Story By: Rahul srivastav (rahulsrivas)
Posted: Monday, March 27th, 2017
Categories: जवान लड़की
Online version: अन्तर्वासना की प्रशंसिका की लेखक से मुलाकात-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अन्तर्वासना की प्रशंसिका की लेखक से मुलाकात-3

अब तक :
राहुल का लंड मेरी पेंटी पर रगड़ रहा था और मैं बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी, मैं अपनी पेंटी उतार कर राहुल से चिपक कर बोली- राहुल, अब बर्दाश्त नहीं हो रहा ! कुछ तो करो ! मुझे तुम चाहिए, आ जाओ ना मेरे ऊपर !
अब आगे :

राहुल ने भी मेरी उत्तेजना को समझा, वो मेरे ऊपर आ गया, मैंने भी अपने पैरों को खोल कर उसका स्वागत किया, उसने अपने को सेट करके अपने लंड को पकड़ कर मेरी बुर की लकीर पे रख दिया।
मेरे मुँह से आनन्द भरी सिसकारी निकल ही गई- आअह ह्ह्ह आआह्ह उम्म्ह… अहह… हय… याह… ह्ह उम्म ममहह !

राहुल का लंड मेरी बुर की लकीर के बीच में रगड़ने लगा, मेरी बुर के रस से उसका लंड चिकना हो गया… उसका टॉप हल्का गुलाबी सा मेरे रस से चमकने लगा और मैं उसको कुछ करने को कह रही थी।
पर राहुल मुझे तड़पाने में लगा था।

जैसे ही मेरी बुर की लकीर पर रगड़ महसूस होती, मैं अपनी कमर उठा कर लंड को अपनी अंदर समाने की कोशिश करती, उसके चूतड़ को पकड़ कर अपनी तरफ खींचती, पर वो तो जैसे कसम खाकर बैठा था मुझे तड़पाने की… मेरी हर कोशिश नाकाम कर देता !

मेरी बुर से रस बह रहा था, बुर के अंदर और चिकनापन था, राहुल का लंड मेरे रस से गीला हो गया था… मुझसे देरी बर्दाश्त नहीं हो रही थी.. फिर भी मैं आँख बंद करके आने वाले क्षणों का इंतज़ार कर रही थी।

5 साल बाद एक बार फिर मैं उस दर्द और उस आनन्द का इंतज़ार कर रही थी.. मुझे मालूम था इस बार दर्द भी होगा.. चीख भी निकलेगी… आँखों से आंसू भी आएंगे!
पर इन सबके बाद जो आनन्द मिलेगा, मैं उसका अहसास करना चाहती थी जो शायद मैं हर्ष सर के साथ नहीं कर पाई थी।

यही वो पल थे जिनका मुझे इंतज़ार था… मेरी बुर के मुहाने पर गर्म लंड का गर्म सुपारा, बदन में सिहरन… दिल में डर… आँखों में नशा…

राहुल ने लंड को मेरी बुर पर घिसना शुरू किया तो मैंने भी गांड उठा कर लंड का स्वागत किया- राहुल… बहुत तड़पा लिया यार… अब देर ना करो, घुसा दो अपना लंड मेरी बुर में…
राहुल ने मेरी जांघों को मजबूती से पकड़ा और लंड के सुपारे को बुर के मुहाने पर सही से सेट करके थोड़ा दबाव बनाया। सुपारा जैसे ही अन्दर घुसने लगा और बुर फ़ैलने लगी तो साथ में मेरी आँखें भी दर्द से फ़ैलने लगी थी।

और लंड के अंदर जाने का अहसास… मेरा ऐंठ जाना… कमर का उठ जाना पर मैं राहुल की पकड़ से आज़ाद नहीं हो पाई।

राहुल ने थोड़ा सा उचक कर एक धक्का लगाया तो सुपारा बुर का छेदन भेदन करता हुआ बुर में समा गया, मेरे मुँह से घुटी हुई सी चीख निकल पड़ी और मैं एकदम से ऊपर की तरफ खिसकी- आह्ह्ह ह्ह… राहुल… बहुत दर्द हो रहा है…
आखिर मैं भी 5 साल के बाद फिर से सम्भोग कर रही थी मेरी बुर को टाइट तो होना ही

था।

राहुल ने मेरी बात को अनसुना कर दिया और उचक कर पहले से थोड़ा तेज एक और धक्का लगा कर लगभग दो इंच लंड और मेरी गीली बुर में सरका दिया।
‘राहुल… छोड़ दो मुझे… मुझे नहीं चुदवाना… फट गई मेरी… प्लीज निकालो बाहर!’ मैं राहुल के नीचे दबी हुई तड़प रही थी, बुर से शायद खून भी टपकने लगा था, मैं दर्द से तड़प रही थी।

पर उस बेरहम ने अपना लंड थोड़ा सा बाहर निकाला, मेरी जान में जान आई थी कि राहुल ने एक अंतिम झटका दिया मुझे जो मैं बर्दाश्त नहीं कर पाई- अह्ह्ह… ह्ह… उईई… ईईई माआआ… माआआ… मर गईइइइ… आआआअ… ऊऊऊ… उह्…
पूरा 6 इंच का लंड मेरी बुर में समा गया, मैं लगभग अचेत सी हो गई थी… आँखों में आंसू आ गए थे… धुंधला सा राहुल का चेहरा मेरे करीब आता दिखा।

राहुल कुछ देर के लिए रुका, पहले उसने मेरी आँखों से निकलते आँसू चाटने के बाद अपने होंठ मेरे होंठों पर रख दिए। राहुल के रुकने से मेरा तड़पना और मेरा दर्द कुछ कम हुआ तो मैंने उसके होंठ चूसना शुरू कर दिया और फिर उसने चूची को मुँह में भर कर चूसना शुरू कर दिया।

सच कहूँ, चूची के चूसने से मेरे दर्द बहुत ही कम हो गया… मेरी बुर खुलने और बंद होने लगी.. मेरी बुर की दीवारों ने लंड को जकड़ के रखा था…
राहुल समझ गया कि वह अब फिर से शुरू हो सकता है, उसने लंड को थोड़ा बाहर की तरफ निकल कर फिर से पूरी ताकत से ज़ोर का धक्का लगा दिया!

‘आआआ आआऐईई ईईई… आआह्ह ऊऊ… ऊऊह्ह ऊओफ्ह… आअह्ह… उम्म्य !’
मेरी चीख फिर निकली पर दर्द बहुत कम हुआ, ऐसा लगता था कि कुछ मेरे जिस्म के अंदर

तक चला गया है।

एक बार फिर राहुल ने लंड निकाला…
जो लड़कियां ये पढ़ रही होंगी, वो समझ सकती हैं कि 5 साल के अंतराल के बाद पुनः सम्भोग करना वैसा ही होता है जैसा पहली बार करना, आप सब मेरी चीख को मेरा आनन्द, मेरा दर्द, कुछ भी समझ सकते हैं।

फिर एक बार लौड़ा मेरी बुर के छेद को चौड़ा करता हुआ अंदर घुस चुका था, 'बहुत मज़ा आएगा!' यह कहते हुए फिर लौड़ा बाहर खींचा और फिर से एक ज़बरदस्त धक्का लगा दिया।

'अह्ह्ह… ह्ह… उईई… ईईई माआ रा हुलल आ… माआआ… मर गईइइइ… आआआअ… ऊऊऊ… उह… ओह्ह… आह्ह… उम्म… आह्ह… ओह्ह्ह… आअह्ह्ह ह्ह्ह राहुल…'

मेरी बुर रस छोड़ रही थी और मेरी बुर का गीलापन लंड को अंदर बाहर आराम से कर करने लगा… अब दर्द नहीं, आनन्द था, मुझे चुदवाने में बहुत मजा आने लगा और बुर बहुत गीली हो गई, मैं भी अब चूतड़ उचका उचका कर खूब मजा लेकर चुदवा रही थी, मेरी बुर ने इतना रस छोड़ दिया था, वो इतनी गीली हो गई थी कि जब लंड अंदर-बाहर हो रहा था तो फच फच फच की मस्त आवाजें आने लगी।

'आह राहुल… जोर से आआह्ह उफ़्फ़ फ़्फ़ जानन न…' अब उसने मेरे एक चूची पर कस कर एक चांटा मारा, दर्द से मेरी चीख निकल गई- उईई.. इ ई ई लगती है राहुल…

उसके चांटे से मेरी गोरी चूची का रंग बदल कर गुलाबी हो गया पर अब मैं भी बहुत ज़ोर ज़ोर से चूतड़ उछाल उछाल कर उसका साथ देने लगी- आआआअ… ऊऊऊ

यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

कमरे में मेरी सिसकारियों का शोर… ‘हम्म्म्म आ आआ रा हू ल ल ल आआआअ… ऊऊऊ… उह… ओह्ह… आह्ह… उम्म्म… आअह्ह ह्ह्ह राहुल… आह्ह… आआह्ह्ह…’ जांघों से जांघों का मिलन ‘थप थप थप.. की आवाज़ का शोर… अब मैं भी बहुत ज़ोर ज़ोर से चूतड़ उछाल उछाल कर राहुल का साथ देने लगी, तभी राहुल ने लंड निकाल कर मुझे पेट के बल लिटा दिया मेरे चूतड़ों को थोड़ा उठा कर एक बार फिर पूरा लंड एक बार में ही डाल दिया।

यह बदमाशी राहुल की, मेरी चीख निकलवा दी- आह्ह उफ्फ्फ राहुल… हाँ यस यस.. उफ्फ्फ धीरे रे रे रे मर र र गई ई ई एई
राहुल ने मेरे चूतड़ पर कस कर एक चांटा मारा फिर मारा… और फिर मारा।

मैं दर्द से बिलबिला गई… चांटों से मेरे चूतड़ो का रंग बदलने लगा- मत करो कुछ हो रहा है हमें… आअह्ह ह्ह्ह राहुल क्या कररहे हओ ? आह्ह… चोदो… राहुल… बहुत मजा आ रहा है… चोदो… जोर से चोदो… फाड़ दो… आईईई.. उम्म्म…मुझे चोदो जोर से… और जोर से…

मैं मस्ती में बड़बड़ा रही थी और राहुल मेरी कमर को पकड़े जोर जोर से धक्के लगा कर मेरी चुदाई कर रहा था। सच कहूँ तो बहुत दिनों बाद.. या यूँ कहो कि 5 साल के बाद ऐसा आनन्द मिला था कि मैं तो एकदम जन्नत का मजा ले रही थी।

इस दौरान मैं कम से कम तीन बार झड़ चुकी थी पर राहुल था कि रुकने का नाम ही नहीं ले रहा था। मेरी बुर में हल्का हल्का दर्द होने लगा था। करीब दस मिनट बाद मैं फिर झड़ने को आई, तब मैं बोली- राहुल और तेज… और तेज… फाड़ दो मेरी बुर को !

यह सुन कर राहुल ने स्पीड बढ़ा दी और बोला- मेरा भी होने वाला है… कहाँ निकालूँ ?
मैंने कहा- अंदर… मेरे सेफ दिन हैं !
और मैं कुछ देर में एक जोर की चीख के साथ झड़ गई, राहुल ने भी साथ ही साथ मेरी बुर को अपनी लावा से भर दिया, मेरी बुर में रह रह कर उसका लावा गिर रहा था।

राहुल भी मेरे ऊपर ऐसे गिरा कि उसमें कोई जान ही न हो !
बहुत देर तक हम दोनों वैसे ही अपनी सांसों को व्यवस्थित करने में लगे रहे… मेरे हाथ राहुल के बालों में कंघी की तरह घूमते रहे, मेरे दिल में सम्पूर्णता का अहसास था जो मुझे हर्ष सर के साथ नहीं हुआ था।

राहुल मेरे बगल में लेटा था, मेरा सर उसकी छाती पर था और वो बहुत प्यार से मेरे जिस्म को हल्का हल्का सहला रहा था, बीच बीच में मेरे बालों पर चूम लेता।
हम काफी देर तक वैसे ही एक दूसरे की बाँहों में थे।

थोड़ी देर बाद हम दोनों फ्रेश हुए, मैंने बाथरोब ही पहन रखा था और राहुल ने भी…
राहुल- रिचा, सॉरी यार, मेरे से कण्ट्रोल नहीं हुआ !
मैं- नहीं राहुल, इसमें सॉरी की कोई बात नहीं है, मैं भी दिल से तैयार थी इसके लिए… मैं जानती थी कि ये सब होगा, मेरी भी मर्जी थी तुमने तो बहुत कण्ट्रोल किया, मैं न पहल करती तो तुम शायद इतना आगे न जाते… मुझे तुमको फील करना था।

राहुल- फिर भी…
ऋचा- नहीं राहुल… मैंने हर्ष सर के साथ नादानी में किया था जो मेरी भूल थी पर आज मैंने सोच समझ कर दिल से किया है तभी शायद दिल से अपने आपको तृप्त महसूस कर रही हूँ। थैंक्स टू यू राहुल !

कहानी अगले भाग में समाप्त होगी।

rahulsrivas75@gmail.com

Other stories you may be interested in

लंड की प्यासी चूत गांड का मेला-1

मेरे प्रिय मित्रो, आपका अरमान आपके लिए अपनी पिछली कहानी ज़िम में तीन चूत और एक लंड से आगे की कहानी लेकर आया है. जैसा मैंने अपनी पुरानी कहानी में बताया था कि मैं एकता के साथ मुंबई आ गया. […]
Full Story >>>

चॉल वाली चुदक्कड़ भाभी की गंदी चुदाई

हैलो फ्रेंड्स ! मैं कई सालों से अंतर्वासना का नियमित पाठक हूँ. अंतर्वासना की हर कहानी अपने आप में सेक्सी होती है. इसलिए यह मेरी पसंदीदा साइट है. आज मैं आप सबको एक नई और सच्ची कहानी सुनाने जा रहा हूँ. […]
Full Story >>>

हवसनामा : सुलगती चूत-2

मैं उस नये लड़के को नहीं जानती थी लेकिन रघु को तो जानती थी, कई बार कल्पनाओं में उसके नीचे खुद को मसलवा चुकी थी और उसके लिंग को अपनी योनि में ले चुकी थी। मेरे उतावलेपन को देखते वे […]
Full Story >>>

रसूल की रखैल-2

मेरी हॉट हॉट कहानी के पहले भाग रसूल की रखैल-1 में आपने पढ़ा कि मैं एक लेडीज टेलर यानि दर्जी हूँ और मैंने अपनी ग्राहक की कमर, चूतड़ और जांघ का नाप ले लिया। मगर आगे सिर्फ थोड़ा सा कपड़ा […]
Full Story >>>

कामुकता की इन्तेहा-15

मेरी पंजाबी चूत की चुदाई की इस कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मैं अपने चोदू यार के दोस्त से चुद रही थी. मैंने इसी तरह 15-20 घस्से मारे तो ढिल्लों ने मुझे धीरे होने को कहा लेकिन […]
Full Story >>>